सामाजिक परिवर्तन के प्रौधोगिकीय कारक

Miss. CHHAYA

Assistant professor

Department of sociology

J.k.p.(pg) college muzaffarnagar

प्रस्तावना

प्रौद्योगिकी सामाजिक परिवर्तन का कारक है प्रौद्योगिकी समाज को अनेक प्रकार से प्रभावित करती है क्योंकि प्रौद्योगिकी में कोई भी परिवर्तन किसी संस्था अथवा समूह में परिवर्तन का कारण बनता है। प्रौद्योगिकी विकास सामाजिक जीवन को काफी मात्र तक प्रभावित करता है

प्रौद्योगिकी का अर्थ एवं परिभाषाएं

प्रौद्योगिकी जनहित क्रांति में सामाजिक क्रांति को जन्म दिया है सामाजिक क्रांति का बहुत अच्छा दृष्टांत **थर्सटीन वेबलीन** का विलास अर्थात फुर्सत का सिद्धांत है

ऑगबर्न का कथन है-"प्रौद्योगिकी समाज को हमारे पर्यावरण में परिवर्तन द्वारा जिसके प्रति हमें अनुकूलित होना पड़ता है या परिवर्तन पर प्राय: भौतिक आयामों मे आता है तथा हम इन परिवर्तनों के साथ जो अनुकूलन करते हैं उससे प्रथाओं एवं सामाजिक संस्थाओं में परिवर्तन हो जाता है।"

कार्ल मार्क्स के अनुसार-"प्रौद्योगिकी प्रकृति के साथ मनुष्य के व्यवहार करने के प्रकार और उत्पादन की उस प्रक्रिया को प्रकट करती है जिससे वह अपना जीवन पालता है और इस प्रकार सामाजिक संबंधों के बनने का प्रकार तथा उन से उत्पन्न होने वाले मानसिक प्रयत्नों के प्रकार को व्यक्त करती है।"

सामाजिक परिवर्तन पर प्रौद्योगिकीय कारको का प्रभाव

1. उद्योगों में मशीनों का उपयोग

- कारखाना पद्धति का उदय
- नगरीकरण
- समाज में वर्ग भेद का जन्म
- नवीन विचारधाराओं और आंदोलनों का जन्म
- गंदी और घनी बस्तियां
- स्त्रियों के कार्यभार का हल्का होना

2. **संदेशवाहन के साधना का प्रभाव**

3. आवागमन के साधनों का विकास

4. कृषि की नवीन प्रविधियों का विकास

प्रौद्योगिकी का सामाजिक जीवन पर प्रभाव

- मूल्यों में परिवर्तन
- परिवार का प्रभाव
- विवाह पर प्रभाव
- धार्मिक संस्थाओं पर प्रभाव
- स्त्रियों की स्थिति पर प्रभाव
- नागरिक जीवन पर प्रभाव
- जाति प्रथा में परिवर्तन

प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के प्रत्यक्ष प्रभाव

- श्रम का नवीन संगठन
- नगरीकरण की प्रवृत्ति
- सामाजिक गतिशीलता
- विशेषीकरण की प्रवृत्ति
- सामाजिक संबंधों की जटिलता

प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के अप्रत्यक्ष प्रभाव

- आर्थिक प्रभाव
- सामाजिक प्रभाव
- पारिवारिक प्रभाव
- धार्मिक प्रभाव

उपर्युक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रौद्योगिकी सामाजिक परिवर्तन का एक प्रमुख कारक है इसका प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से समाज पर काफी प्रभाव पड़ता है।